SNBP International & Senior Secondary School, Chikhali, Pune.
Affiliation No. 1130703
Academic session 2024-25
NOTES-10(TERM-2)
Subject: HINDI

Grade -4

Prepared by: VRUSHALI KOKANE

LESSON-10 संसार पुस्तक है

व्याकरण -क्रिया

प्रश्न १) शब्दार्थ मधुश्री पाठ्यपुस्तक से नोटबुक मे लिखिए।

प्रश्न २) दिए गए शब्दों के अर्थ लिखकर वाक्य बनाइए।

क)बेहद- बहुत अधिक

वाक्य- छोटी नेहा बेहद खूबसूरत लग रही थी।

ख)जर्रा - अणु,कण

वाक्य- हमारे देश का हर जर्रा अच्छे गुणोंसे भरा है।

प्रश्न ३) खाली स्थान भरिए।

क. लेखक ने प्रकृति के अक्षर **पत्थरों और चट्टानों** को कहा है।

ख. छोटे बच्चे बालू के **घरौंदे** बनाते है।

प्रश्न ४) लघु उत्तरीय प्रश्न:

1. हम दुनिया का पुराना हाल कैसे मालूम कर सकते हैं?

उत्तर- हम पहाड़, समुद्र, सितारे, नदियाँ, जंगल और जानवरों की पुरानी हड्डियों से दुनिया का पुराना हाल मालूम कर सकते हैं।

2.किसी भी भाषा को सीखने के लिए पहले क्या सीखना जरूरी है? क्यों?

उत्तर- किसी भी भाषा को सीखने के लिए सबसे पहले उसके अक्षरों को सीखना जरूरी है। केवल तभी हम उस भाषा का ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं।

3.चट्टान से टूटा नुकीला पत्थर कैसे चमकीला, चिकना और गोल बन जाता है?

उत्तर- चट्टान से टूटा नुकीला पत्थर दरिया के पेंदे में लुढ़कता रहा। जिससे उसके किनारे घिस गए और वह चमकीला, चिकना और गोल बन गया।

4. 'संसार पुस्तक है' पत्र में पंडित जवाहरलाल नेहरू ने क्या इरादा किया है?

उत्तर- 'संसार पुस्तक है' पत्र से नेहरू जी ने अपनी पुत्री को दुनिया और उसमें बसे छोटे बड़े देशों के विषय में जानकारी देने का इरादा किया है।

प्रश्न ५) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:

1. इस पत्र में नेहरू जी ने क्या संकेत दिया है? उन्होंने क्या बताने की कोशिश की है?

उत्तर- इस पत्र में नेहरू जी ने संसार को एक पुस्तक के समान बताया है। वे यह बताने की कोशिश कर रहे हैं कि संसार रूपी इस पुस्तक से हमें बहुत-सी जानकारियाँ मिल सकती हैं।

2. 'शायद संसार की पुस्तक का छोटा-सा पृष्ठ हो' यह बात लेखक ने किस वस्तु के विषय में कही है? वे क्या कहना चाहते है?
उत्तर- यह बात लेखक ने सड़क पर तथा पहाड़ के नीचे पड़े छोटे-से रोड़े के बारे में कही है। वे कहना चाहते हैं कि एक छोटा-सा कंकड भी हमें बहुत कुछ सिखा सकता है। हम उससे उसके इतिहास के बारे में जान सकते हैं।

3. प्रकृति रूपी पुस्तक को पढ़ने के लिए हमें क्या तैयारी करनी होगी?
उत्तर- जिस प्रकार कोई भाषा सीखने के लिए हमें उसके अक्षर सीखने होते हैं। उसी प्रकार पहले हमें प्रकृति के पत्थर और चट्टान रूपी अक्षर सीखने होंगे, तभी हम प्रकृति रूपी पुस्तक को पढ़ सकेंगे।

<u>व्याकरण</u>

क्रिया

वे शब्द जिनसे किसी काम के करने या होने का पता चले वह क्रिया कहलाते हैं।
क्रिया के दो भेद होते हैं-
१) सकर्मक क्रिया
२) अकर्मक क्रिया

१) सकर्मक क्रिया- जिन वाक्यों में कर्म होता है, उन्हें सकर्मक क्रिया कहते हैं। सकर्मक क्रिया का अर्थ है कर्म के साथ क्रिया का होना । जैसे- बच्चे क्रिकेट खेल रहे हैं।
बच्चे- कर्ता, क्रिकेट- कर्म, खेल रहे हैं- क्रिया

२) अकर्मक क्रिया - जिन वाक्यों में कर्म नहीं होता हैं, उन्हें अकर्मक क्रिया कहते हैं। अकर्मक क्रिया का अर्थ है बिना कर्म की क्रिया | जैसे- मोर नाच रहा है।
मोर- कर्ता, नाच रहा है- क्रिया
इस वाक्य में कर्म नहीं है अतः यह वाक्य एक अकर्मक क्रिया का उदहारण है।
****